मानवता सबसे बड़ा धर्म : उपराज्यपाल किरण बेदी

माउण्ट आबू को स्पीरिच्युअल सिटी बनाने का रखा गया प्रस्ताव

पॉन्डिचेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी को मोमेन्टो देकर सम्मानित करते हुए संस्थान के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर तथा शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय।

किरण बेदी ने दी सलाह - प्रशासनिक अफसरों को इस ज्ञान की बेहद ज़रूरत

कार्यक्रम के समापन सत्र में सम्बोधित करते हुए पॉन्डिचेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी। मंचासीन हैं ब्र.कु. निर्वैर, ब्र.कु. संतोष दीदी, ब्र.कु. बृजमोहन, सामाजिक न्याय एवं विकास केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास बंदू अठावले, ब्र.कु. मृत्युंजय, ब्र.कु. पाण्ड्यामणि तथा अन्य विशिष्ट अतिथि।

शांतिवन। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की 80वीं वर्षगांठ पर 'परमात्म शक्ति द्वारा विश्व परिवर्तन' विषय पर आयोजित चार दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय महासम्मेलन के समापन सत्र में सम्बोधित करते हुए पॉन्डिचेरी की उपराज्यपाल किरण बेदी ने तिहाड़ जेल का अनुभव सुनाते कहा कि वहां के कैदियों को ब्रह्माकुमारी बहनों ने जब राजयोग का प्रशिक्षण दिया तो इससे कई कैदियों में बुराई की आदत छूट गई। कई कैदी-बंदियों ने द्वेष भावना छोड़ दी, लड़ना-झगड़ना छोड़ दिया और सकारात्मकता की ओर बढ़ने लगे। ब्रह्माकुमारी भाई-बहनें हमेशा ईमानदारी, सच्चाई, सफाई, पवित्रता और सेवाभाव के साथ मानवता की सेवा के लिए सदा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे जहां जहां सफलता मिली, इसमें आपका ही आशीर्वाद रहा। मैं मानवता और ईश्वरीय शक्ति में विश्वास करती हूँ।

तनाव में जी रही आज की युवा पीढ़ी

उपराज्यपाल बेदी ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के चलते आज की युवा पीढ़ी तनाव में जी रही है। पहले उन्हें एक अच्छा इंसान बनाना हमारा उद्देश्य होना चाहिए।

'चौथी दुनिया' के एडिटर ने रखा स्पीरिच्युअल सिटी बनाने का प्रस्ताव

महासम्मेलन के समापन में 'चौथी दुनिया' के एडिटर संतोष भारतीय ने प्रस्ताव रखा कि माउंट आबू को हिंसा व शराब से मुक्त क्षेत्र बनाकर आध्यात्मिक नगर घोषित किया जाए। यहां प्राकृतिक तौर पर वातावरण विकसित किया जाए। साथ ही यहां ऐसा वातावरण बने कि इसे देश-दुनिया का आध्यात्मिक नगर के नाम से जाना जाए। इस पर सभा में मौजूद दस हज़ार से अधिक लोगों ने इस प्रस्ताव पर ताली बजाकर समर्थन दिया।

भारतीय ने कहा कि महिलाओं एवं नौजवानों को आध्यात्मिक रूप से विकसित करने के लिए हम पूरी ताकत लगा देंगे। उन्होंने कहा कि हम राज्य एवं भारत सरकार से इसका अनुरोध करेंगे कि इसमें सहयोग प्रदान करें।

'इंसानियत' हर व्यक्ति की ज़रूरत

स्पीरिच्युअल सिटी बनाने के प्रस्ताव का सामाजिक न्याय एवं विकास केंद्रीय राज्यमंत्री रामदास बंदू अठावले ने समर्थन करते हुए इसे भारत सरकार से पास कराने में हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि इस संस्था द्वारा मानव को मानव बनाने, महिला सशक्तिकरण, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ पर्यावरण बचाओ आदि समाजसेवा के आंदोलन चलाए जा रहे हैं जो बहुत ही सराहनीय कदम हैं। मेडिटेशन से मन की शांति प्राप्त कर सकते हैं। ब्रह्माकुमारीज़ द्वारा मानव को मानव बनाने का कार्य किया जा रहा है। यह कार्य असाधारण है।

वहीं शिक्षा प्रभाग के उपाध्यक्ष ब्र.कु. मृत्युंजय ने माउण्ट आबू को आध्यात्मिक सिटी बनाने के प्रस्ताव का समर्थन करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इसे पूरा करने की मांग की। साथ ही विश्वास दिलाया कि हम माउण्ट आबू को विश्व की आध्यात्मिक नगरी के लिए पहचान बनाएंगे।

किरण बेदी के सुझाव

- ऐसे इंस्टीट्यूशन्स नि:शुल्क खोलें जहां युवाओं को अच्छे ऑफिसर बनाने की शिक्षा दी जाए।
- पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन में इस ज्ञान की बेहद ज़रूरत है। क्योंकि ऑफिसर्स में वैल्यूज़ होंगे तो पूरा सिस्टम ईमानदारी से काम करेगा।
- न्यू इंडिया, मूल्यनिष्ठ पब्लिक सर्वेंट से ही बनेगा।
- ज़रूरतमंद लोगों में सकारात्मक विचारों को बढ़ावा देने में ब्रह्माकुमारी संस्थान सक्रिय भूमिका निभाए।
- सभी अपना कार्य सेवा समझकर करें तो देश बदल जाएगा।

ज्ञान से होती है विचारों की सफाई: ब्र.कु. लक्ष्मी

ब्रह्माकुमारीज़ मैसूर की सबज़ोन इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. लक्ष्मी ने कहा कि यहां के ज्ञान से तन और मन के विचारों की सफाई हो जाती है। ब्रह्मा बाबा और दादियों की अथक मेहनत और परिश्रम से ही संस्था में वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना विकसित हुई, जिससे यहाँ बहुतों का जीवन बदला।

संकल्प बदलो, संसार बदल जाएगा: ब्र.कु. दिव्यप्रभा

बोरीवली मुंबई की सबज़ोन इंचार्ज राजयोगिनी ब्र.कु. दिव्यप्रभा ने कहा कि सत्यता से दूर जाने पर कभी जीवन में सुख नहीं हो सकता। आध्यात्मिकता से हमारे संकल्प बदल जाते हैं। जब हम परमात्मा के समीप जाते हैं तो हमें सत्यता की शक्ति मिलती है। अपने संकल्पों के संसार को बदलो, ये संसार स्वत: बदल जाएगा।

हम सब एक ही पेड़ के फूल हैं: डॉ. मर्चेंट

लोट्स मंदिर बहाई कम्युनिटी ऑफ इंडिया के नेशनल ट्रस्टी एवं जनरल सेक्रेट्री डॉ. ए.के. मर्चेंट ने कहा कि आज हमारे सामने पाँच प्रमुख समस्याएं हैं- जलवायु परिवर्तन, आर्थिक समस्या, परमाणु हथियार, मानव अधिकार तथा संसाधनों का गलत दोहन। इनके बचाव के लिए हमें मिलकर काम करना होगा। हम सब एक ही पेड़ के फूल हैं और समस्त पृथ्वी एक देश है।

सोलर पावर प्लांट से कर रहे ऊर्जा बचत: ब्र.कु. गोलो

इंडिया वन सोलर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के हेड ब्र.कु. गोलो पिल्ज़ ने कहा कि यहां के योग और मेडिटेशन से मेरा जीवन पूरी तरह बदल गया। हमारा मकसद अध्यात्म और विज्ञान के बीच समन्वय बनाना है। ब्रह्माकुमारीज़ में ये इनोवेटिव पावर प्लांट भारत एवं जर्मनी सरकार के सहयोग से लगाया गया है। ये प्रोजेक्ट देश के अंदर ऊर्जा की बचत के क्षेत्र में मील का पत्थर साबित होगा। 25 से अधिक एनर्जी प्रोजेक्ट पर यहां रिसर्च किया जा रहा है। मैंने शोध कर एक सौर ऊर्जा पर पुस्तक भी लिखी है जिसमें ऊर्जा की बचत के उपाय बताए गए हैं।

यहां से होगा विचारों का परिवर्तन: ब्र.कु. संतोष

महाराष्ट्र ज़ोन की निदेशिका राजयोगिनी ब्र.कु. संतोष ने कहा कि परमात्मा ने जब ब्रह्मा बाबा को साक्षात्कार कराया और आदेश दिया कि तुम्हें नई सतयुगी सृष्टि की स्थापना करनी है तो उन्होंने तुरंत अपनी धन-दौलत छोड़ इस कार्य में लग गए। खुद के परिवर्तन से विश्व का परिवर्तन किया जा सकता है।

शक्ति निकेतन,इंदौर होस्टल की कुमारियाँ नृत्य की प्रस्तुति देते हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत मधुर गीत द्वारा

चार दिवसीय कार्यक्रम के अंतिम सत्र की शुरुआत मधुरवाणी ग्रुप के 'ये बधाई की बेला शुभारंभ है....' गीत द्वारा हुई। इस गीत को सुनकर सभी भाव-विभोर हो गए। इसके बाद श्रीरंगम भरतनाट्यालय त्रिची की बालिकाओं ने स्वागत नृत्य 'आपके आने से हर दिल में रुहानी रौनक है...' प्रस्तुत किया। इस उत्कृष्ट प्रस्तुति पर ब्र.कु. मृत्युंजय ने बालिकाओं सहित शिक्षिका का सम्मान किया। डिस्टेंस एज्युकेशन प्रोग्राम के डायरेक्टर डॉ. ब्र.कु. पाण्ड्यामणि ने सभी का स्वागत किया। जयपुर की सबज़ोन इंचार्ज ब्र.कु. पूनम ने राजयोग मेडिटेशन की गहन अनुभूति कराई। समापन पर योग से संबंधित प्रेरणा पुस्तक का विमोचन अतिथियों ने किया।